Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 45 , 08 नवम्बर, बुधवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

जीटीबी को दान की रिटार्यड आईएएस अफ्सर की देह

गाजियाबाद। मध्य प्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनकर केदारनाथ के निधन के बाद उनकी इच्छा के अनुसार उनके परिजनों ने उनकी देह दिल्ली के जीटीबी अस्पताल को दान कर दी। दिनकर केदारनाथ व उनकी पत्नी मधुरिमा दिनकर ने करीब 10 वर्ष पूर्व दधीचि देहदान समिति के माध्यम से मृत्यु उपरांत देहदान करने का संकल्प किया था। करीब पांच वर्ष पूर्व उनकी पत्नी का देहांत हो गया था। उनकी देह भी अस्पताल को दान की गई थी। पूर्व आईएएस दिनकर केदारनाथ ने सोमवार सुबह सात बजे अपने आवास 26 पटेल नगर पर अंतिम सांस ली। वह 90 वर्ष के थे। उनके पुत्र डॉ. अजित दिनकर ने बताया कि सामाजिक परंपराओं के चलते हमारे देश में अन्य देशों के मुकाबले देहदान की संख्या बहुत कम है। इस वजह से चिकित्सकीय शोध व शिक्षा में मेडिकल के विद्यार्थियों को दिक्कतें रहती हैं। वहीं अंगदान के अभाव में जरूरतमंदों को अंग भी नहीं मिल पाते हैं। उनके माता-पिता ने दधीचि देहदान समिति के माध्यम से 10 वर्ष पूर्व ही देहदान का संकल्प कर लिया था। परिजनों ने पूर्व आईएएस अधिकारी के निधन के उपरांत दधीचि देहदान समित के माध्यम से जीटीबी अस्पताल को इसकी सूचना दी। देर शाम जीटीबी अस्पताल से आई चिकित्सकों की टीम को उनकी देह सौंप दी गई।

भाजपा ने राष्ट्रपति के परिवार को भी नहीं दिया टिकट

कानपुर। झींझक नगर पालिका के लिए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के परिवार से दो लोगों की दावेदारी को दरकिनार कर भाजपा ने तीसरे को टिकट दे दिया। इस पर राष्ट्रपति की भतिज बहू ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है। वह नौ नवंबर को अपना नामांकन दाखिल करेंगी। झींझक नगर पालिका अनुसूचित महिला के लिए आरक्षित होने के बाद इस बार भाजपा से राष्ट्रपति के परिवार के दो लोगों ने टिकट के लिए आवेदन किया था। टिकट मांगने वालों में उनकी भाभी विद्यावती के अलावा भतीजे पंकज कोविंद की पत्नी दीपा कोविंद शामिल थीं। मंगलवार को जारी हुई भाजपा की सूची में उनके परिवार के किसी सदस्य का नाम नहीं है। भाजपा ने सरोजनी देवी कोरी को झींझक से उम्मीदवार घोषित किया है। सूची जारी होते ही दीपा कोविंद ने निर्दलीय ताल ठोंकने का ऐलान किया है। दीपा के पति पंकज ने बताया कि तीन महीने से चुनाव को लेकर तैयारियां कर रहे थे। सूची में स्थान न मिलने पर जनता के आदेश पर ही दीपा ने मैदान में उतरने का फैसला किया है।

पद्मावती पर रोक के आदेश से गफलत!

उदयपुर। पद्मावती फिल्म को लेकर प्रदेशभर में हो रहे विरोध को देखते हुए उदयपुर में तो पुलिस महकमे ने सिनेमाघरों में इसके प्रदर्शन पर रोक लगाने के संबंध में थानों को बाकायदा आदेश तक जारी कर दिए। बाद में जब इस आदेश की प्रति सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो सफाई देते हुए इसे टाइपिंग की गलती बताते हुए फिल्म के रिलीज के वक्त कानून व्यवस्था बनाए रखने और जाब्ता तैनात करने की बात कही गई। फिल्म में गलत तयों को लेकर विभिन्न संगठनों ने पुलिस को ज्ञापन दिए थे। दरअसल करणी सेना ने आह्वान किया है कि इस फिल्म को नहीं चलने देंगे, फिल्म में तयों को गलत पेश किया गया है। उदयपुर एसपी के नाम से शनिवार को डीएसपी कार्यालय की ओर से थानों को जारी आदेश में पद्मावती फिल्म को उदयपुर के सिनेमाघरों में रोक लगाना लिख दिया गया था, जो शहरभर में चंचा का विषय बन गया। इसके बाद पुलिस की तरफसे पूर्व में जारी आदेश के बारे में जानकारी दी गई। उसमें लिखा गया कि विभिन्न संगठनों ने पद्मावती फिल्म को उदयपुर के सिनेमाघरों में रोक लगाने की बात कही है। हंगामे की संभावना को देखते हुए प्रदर्शन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखें। एसपी और एडीएम से जारी आदेश के पत्र क्रमांक का आदेश में हवाला दिया गया है जिसमें कानून व्यवस्था बनाए रखना लिखा गया है और इस लेटर का संदर्भ भी कानून व्यवस्था बनाए रखना था न कि रोक लगाना।वहीं गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया ने कहा है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विरोध करने वाले अपना काम करें, हम अपना काम करेंगे। कुछ लोग यह समझ रहे हैं कि रानी पद्मावती के सिर्फ वही हितैषी हैं तो यह गलत है। रानी पद्मावती किसी जाति विशेष की नहीं, पूरे देश का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अगर तय गलत हैं तो उनमें सुधार किए जाने चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में जहरीली धुंधः

यूपी, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली सरकार से पूछा- बचाव के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता खराब होने पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। एनजीटी ने मंगलवार को यूपी, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली सरकार से वायु प्रदूषण से निपटने के लिए उठाए गए एहतियाती कदमों की जानकारी मांगी। एनजीटी ने राज्य सरकारों को 9 नवंबर तक का समय दिया है।

दिल्ली में बंद हो सकते हैं स्कूल, उड़ानें भी हुईं प्रभावित

दिल्ली में कुछ दिनों के लिए स्कूल बंद किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसौदिया से प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण कुछ दिनों के लिए स्कूल बंद करने के लिए कहा है। जहरीले स्मॉग के चलते यहां के निवासियों में आंखों में जलन और सिरदर्द की शिकायत देखने को मिल रही है। धुंध की वजह से उड़ाने भी प्रभावित हुई है।

सीआईएसएफ ने जवानों को मुहैया कराए 9000 मास्क

राष्ट्रीय राजधानी में वायु की गुणवत्ता के गिरते स्तर के मद्देनजर सीआईएसएफ ने आईजीआई हवाईअडडे, दिल्ली मेट्रो और अन्य सरकारी मंत्रालयों पर तैनात अपने कर्मियों को चेहरे ढकने के लिए 9000 से अधिक मास्क मुहैया कराने आदेश जारी किया है।

गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत अर्धसैनिक बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के पास राजधानी में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअडडे (आईजीआई), दिल्ली मेट्रो और कई सरकारी विभागों एवं मंत्रालयों की सुरक्षा का जिम्मा है।

भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) ने किया आगाह

भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) ने राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए इसके गंभीर खतरों के प्रति आगाह किया है। आईएमए के अध्यक्ष डॉ के. के. अग्रवाल कहा कि मौजूदा समय में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर सामान्य से तीन गुना ज्यादा है। इसके कारण सुबह के समय स्कूलों में आउटडोर एक्टिविटी करने से बच्चों के फेफड़ों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

दिल्ली के 14 एयर मॉनिटरिंग स्टेशन पर वायु गुणवत्ता बहुत खराब पायी गयी जहां वायु गुणवत्ता इंडेक्स 300 है, जबकि 100 को सामान्य माना जाता। अग्रवाल ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को पत्र लिख कर सुबह के समय स्कूलों में आउटडोर एक्टिविटी पूरी तरह से बंद करने की अपील की है।

यदि प्रदूषण की बड़ी मात्रा शरीर में जाती है तो फेफड़ों के विकास पर असर पड़ता है।

उन्होंने लिखा है कि बच्चे जब शारीरिक परिश्रम करते हैं तो उन्हें ज्यादा ऑक्सीजन की जरूरत होती है। ऐसे में सांस के साथ प्रदूषण की बड़ी मात्रा बच्चों के शरीर में जाती है।

यह बच्चों के फेफड़ों में ग्रोथ का समय होता है ऐसे में यदि प्रदूषण की बड़ी मात्रा शरीर में जाती है तो फेफड़ों के विकास पर असर पड़ता है।

भविष्य में उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि हृदय और अस्थमा के मरीजों के अलावा बुजुर्ग और बच्चों को कम से कम घर से बाहर निकलना चाहिए।

तुगलकी फरमान :

चार बच्चों को छोड़कर प्रेमी संग भागी महिला, मिली ये सजा

नई दिल्ली। गैर मर्द के साथ कथित रूप से भागने पर जिले के ग्राम खेडी में एक आदिवासी महिला के कंधे पर उसके पति को बैठाकर पूरे गांव में घुमाया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि जिस समय महिला को गांव में घुमाया गया, उस समय गांव के लोग उसकी पिटाई भी कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक महेश चंद जैन ने बताया कि पीड़ित अपने चार बच्चों को छोड़कर 28 अक्तूबर को किसी गैर आदिवासी पुरूष के साथ कथित रूप से घर छोड़कर चली गई थी।

इसकी सूचना पिटोल चौकी पर उसके पति ने दी थी। दो दिन पूर्व चार नवंबर को ससुराल वाले महिला को समझा-बुझाकर गांव ले आए थे। पुलिस के मुताबिक, चार नवंबर को महिला के पति और ससुरालवालों ने उसे सजा के तौर पर अपने पति को कंधे पर बैठाकर गांव में घुमाने की सजा दे डाली। घटना के अगले दिन पांच नवंबर को पीड़ित महिला ने पिटोल चौकी पर जाकर छह लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई।

महिला की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसमें पीड़ित महिला का पति, जेठ, ससुर एवं अन्य लोग शामिल है।

बीते साल का तोड़ा रिकार्ड

सात हजार से ज्यादा हुए डेंगू मरीज

नई दिल्ली। भले ही राजधानी के मौसम में सर्द हवाओं की आहट होने लगी हो, मगर इसकी वजह से अब तक मच्छर जनित बीमारियों का प्रकोप नहीं रुका है। विशेषज्ञों की नजर में ऐसे माना जाता है कि मौसम की आर्द्रता में बदलाव आने से नवम्बर में डेंगू और चिकनगुनिया जैसे रोगों का प्रभाव कम देखने को मिलता है। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) द्वारा सोमवार को जारी साप्ताहिक रिपोर्ट पर यदि फौरी नजर डाली जाए तो स्थिति अनुमान के प्रतिकूल है। मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार राजधानी में सात हजार से ज्यादा डेंगू के मरीज दर्ज किए गए हैं। हालांकि राहत वाले तय ये भी हैं कि इस रिपोर्ट में बीते चार दिन में एक भी केस डेंगू का नहीं देखने को मिला है। अब तक के डेंगू आंकड़ों से साफ है कि बीते साल का रिकार्ड टूट गया है।

क्या कहती है रिपोर्ट : रिपोर्ट के मुताबिक, चार नवम्बर तक दिल्ली में डेंगू ग्रस्त मरीजों की संख्या 7358 पर पहुंच गई है जिसमें दिल्ली की बात करें तो 3829 मरीज शामिल हैं। वहीं, पिछले एक सप्ताह की बात करें तो दिल्ली में 735 नए मरीज डेंगू की वजह से सामने आए हैं। वहीं, डेंगू के चलते अब तक चार लोगों की मौत भी हो चुकी है। दक्षिणी दिल्ली इलाके से सर्वाधिक डेंगू मरीज देखने को मिल रहे हैं। यहां अब तक 624 मरीज दर्ज किए जा चुके हैं।

चिकनगुनिया का कम प्रभाव देखने को मिला

दो साल का रिकार्ड तोड़ा : एमसीडी में स्वास्य सेवाओं के निदेशक डा. डीके सेठ के अनुसार पिछले दो वर्षों के दौरान अक्टूबर माह में अबकी बार सबसे ज्यादा डेंगू के केस दर्ज हुए हैं। अक्टूबर 2016 में 1517 मरीज इस बीमारी की चपेट में आए थे, जबकि इस बार यह आंकड़ा 2022 पर पहुंचा है।

चिकनगुनिया की रफ्तार पड़ी धीमी : डेंगू के अलावा रिपोर्ट में चिकनगुनिया को लेकर भी आंकड़ें जारी किए गए हैं। इसके तहत पिछले एक सप्ताह के दौरान चिकनगुनिया की रफ्तार धीमी पड़ी है। एमसीडी ने बीते सप्ताह चिकनगुनिया के 76 नए केस दर्ज किए हैं। जबकि एक जनवरी से चार नवम्बर की बात करें तो इस बीमारी की वजह से 828 लोग बीमार पड़ चुके हैं। पिछले वर्ष की तुलना करते हुए एमसीडी ने इस वर्ष चिकनगुनिया के प्रभाव में काफी गिरावट दर्ज होने की पुष्टि की है।

रोकथाम संबंधी कवायद बेमानी : कीटनाशक दवाएं डेंगू के प्रजनन को रोकने में नाकाफी साबित हो रहे हैं। फॉगिंग करने के बाद भी घरों में मच्छरों का प्रजनन तेजी से बढ़ रहा है।

विभागों से मांगा गया एलजी को भेजी गई फाइलों का ज़्यौरा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों ने विभागों से जानकारी देने को कहा है कि उपराज्यपाल ने उनसे पिछले दो वर्षों में कितनी फाइलें मांगी हैं। शनिवार को दिल्ली सरकार के कार्यालयों में सरकारी अवकाश का दिन था, उसी दिन मंत्रियों ने यह पत्र अपने संबंधित विभागों को भेजकर सोमवार को 12 बजे तक जवाब मांग लिया। इस कारण विभागों से तय सीमा में जवाब नहीं भेजा जा सका। सोमवार को सचिवों ने फाइलों की पड़ताल शुरू की, अब संभव है कि मंगलवार तक सभी विभाग मंत्रियों को अपना जवाब भेज देंगे। मनीष

दिल्ली सरकार ने अपने अधिकारों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है जिसपर सुनवाई जारी

सिसोदिया ने शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, सेवा, वित्त, योजना,निगरानी, कला एवं संस्कृति विभाग से जवाब मांगा है। इसी प्रकार सत्येन्द्र जैन ने स्वास्य, गृह, लोक निर्माण विभाग, उर्जा व शहरी विकास विभाग से पूछा है कि पिछले दो वर्षों में उपराज्यपाल ने कितनी फाइलें मांगी हैं। विभागों के सचिवों ने सोमवार को यह छानबीन शुरू कर दी है कि जिस फाइल को नियमानुसार उपराज्यपाल तक भेजना आवश्यक है व इसी कारण उन्हें फाइलें भेज दी गई, तो उसे इस सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। पत्र में पूछा गया है कि उपराज्यपाल ने कितनी फाइलें मांगी उसका विवरण दें, तो सिर्फ एलजी द्वारा मांगी गई फाइलों की सूची तैयार की जा रही है जिसे विभागीय मंत्री को मंगलवार को भेजा जाएगा। दिल्ली सरकार ने अपने अधिकारों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है जिसपर सुनवाई जारी है। दिल्ली सरकार को उपराज्यपाल द्वारा उनके लिए निर्धारित सीमा को अतिक्रमण की बात को सिद्ध करना होगा। इस कारण दिल्ली सरकार के सभी मंत्री अपने विभागों से उपराज्यपाल द्वारा मांगी फाइलों की जानकारी इकट्ठा करने में लगे हैं।

सिफारिश : घट सकता है दिल्ली मेट्रो का किराया, बढ़ सकते हैं कोच

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में सफर करने वालों के लिए एक अच्छी खबर हैं। पर्यावरण संस्था (ENVIRONMENT POLLUTION (PREVENTION & CONTROL) AUTHORITY) ने दिल्ली मेट्रो को कम से कम दस दिनों के लिए कम व्यस्त घंटों के दौरान किराये कम करने, और एक्सट्रा बोगियां लगाने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ते प्रदूषण पर भी ईपीसीए ने चिंता जाताई है। ईपीसीए ने कहा कि सरकार को दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने पर निर्माण कार्य पर रोक लगानी चाहिए साथ ही सम-विषम जैसे कदमों को दोबारा उठाना चाहिए। ईपीसीए ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में धूल से होने वाले प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करने वाली सड़क निर्माण एजेंसियों पर भी 50,000 रुपये का जुमार्ना लगाया जाए। संस्था ने दिल्ली-एनसीआर में पार्किंग शुल्क चार गुना करने की भी सिफारिश की है। अन्य उपायों में पूरे क्षेत्र में ईंट भट्ठों, हॉट मिक्स प्लांट और स्टोन क्रशर्स को बंद करना शामिल है। मंगलवार सुबह दिल्ली वालों ने प्रदूषण के एक ने कोहरे के बीच आंखें खोली और प्रदूषण का स्तर सामान्य से कई दर्जे अधिक दर्ज किया गया।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव ए सुधाकर ने ईपीसीए को बताया कि निकटवर्ती पंजाब और हरियाणा से धुएं भरी हवाओं और पूर्वी क्षेत्र से नमी से लदी हवाओं के साथ स्थानीय प्रदूषण से हालात और बिगड़ जाते हैं।

सुधाकर ने कहा, हम अगले दो तीन दिन में ही किसी नाटकीय बदलाव की उम्मीद नहीं कर रहे। हल्की धुंध प्रदूषण के कणों को हवा में ऊपर जाने नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को 10 नवंबर तक धान की पराली के जलने में कमी आने की उम्मीद है।

करोल बाग में नौकर ने उड़ाए एक करोड़ के आभूषण

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के कोतवाली थाना इलाके के चांदनी चौक मार्केट में स्थित एक जेवर की दुकान से तकरीबन 60 लाख रपए के जेवरात चोरी कर लिए।

पांच चोरों ने मात्र 15 मिनट में दुकान के दो शटर और सोलह ताले तोड़ कर सारा माल लेकर चंपत हो गए। पीड़ित दुकान मालिक की पहचान पुनीत गुप्ता के रूप में हुई। घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और छानबीन शुरू कर दी है। आरपी ऑर्नामेंट्स दुकान की घटनाबकौल पुनीत गुप्ता उनकी इलाके के कूंचा नटवां में आरपी ऑर्नामेंट्स के नाम से आभूषणों की दुकान है। जहां मुख्य रूप से बुलियन का काम किया जाता है। वहीं साथ ही साथ दुकान में सोने और चांदी के बने आभूषण भी रखे जाते हैं।

रविवार को छुट्टी होने का चोरों ने उठाया फायदा: पीड़ित के मुताबिक रविवार को दुकान बंद रहती है। जिसका फायदा उठाते हुए चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। दरअसल सोमवार सुबह किसी पड़ोसी ने फोनकर पुनीत गुप्ता को बताया कि उनकी दुकान का शटर टूटा है। सूचना मिलते ही पीड़ित फौरन मौके पर पहुंच गए, साथ ही पुलिस को भी जानकारी देकर बुलाया। दुकान में जाकर जब जांच की गई, तो पता चला कि दुकान से करीब 10 लाख रपए कीमत के सोने के जेवर और करीब 50 लाख रुपए के चांदी के जेवर चोरी के कर लिए गए हैं।

सीसीटीवी में कैद हुई सारी दास्तान : चोरी के दौरान सारी वारदात घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पुलिस द्वारा बरामद सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक वारदात सोमवार सुबह करीब पांच बजे की है। इस दौरान वहां पांच युवक पहुंचकर रॉड के सहारे शटर को टेढ़ा किया और तीन-चार युवक अंदर घुस गए। हालांकि पलभर में एक को छोड़कर सभी वापस आ गए। कारण दुकान में दो शटर लगे थे और दूसरे शटर को तोड़ने में दिक्कत आ रही थी। जिसके बाद एक युवक कैमरे की जद से बाहर जाता है और एक रॉड लाकर शटर को टेढ़ा करके अंदर दाखिल होता है। जहां से एक गठरी में सारे गहने भर वे दुकान से बाहर निकलकर फरार हो जाते हैं। पूरी वारदात को अंजाम देने में उन्हें मात्र 15 मिनट लगता है। इस दौरान वहां सड़क से कुछ वाहन भी गुजरे लेकिन किसी ने भी इस वारदात की तरफ ध्यान नहीं दिया।

अपराध शाखा की टीम कर रही जांच: उधर, मामले की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस व अपराध शाखा की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। वहां पहुंचने पर टीम ने देखा की दुकान में चांदी के सिक्के इधर-उधर बिखरे पड़े थे।

दुकान का मुआयना करने के बाद टीम ने बताया कि तड़के सुबह भीड़भाड़ नहीं होने के कारण ही आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। आशंका है कि सभी किसी वाहन से वहां पहुंचे होंगे, जिसमें चोरी के बाद सामान रखकर वे फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज में सभी चोर नकाबपोश नजर आ रहें हैं, जिससे अभी चोरों की पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है।

दुखों में जिसका मन उदास नहीं होता, सुखों में जिसकी आसक्ति नहीं होती और जो राग, भय व क्रोध से रहित होता है, वही स्थितिप्रज्ञ है -वेद व्यास

देश की अर्थव्यवस्था

सरकार की कड़ाई के कुछ अच्छे परिणाम सामने आए हैं। खबरों के मुताबिक नोटबंदी के बाद 2 लाख से ज्यादा कंपनियों को बंद कराया गया है। 35000 कंपनियों के 58000 खातों में 17000 करोड़ के संदिग्ध लेनदेन पकड़े गए। करीब 3000 निदेशकों को अयोग्य घोषित किया गया। प्रधानमंत्री दफ्तर में एक विशेष कार्यबल का गठन कॉरपोरेट क्षेत्र पर नजर रखने के लिए किया गया है। गौरतलब है कि देश की अर्थव्यवस्था का बहुत बड़ा हिस्सा कॉरपोरेट क्षेत्र यानी कंपनियों की शक्ल में ही काम करता है। इस क्षेत्र के कामकाज का असर समूची अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इसीलिए इस पर लगातार निगाह रखा जाना जरूरी है। इस पर निगाह रखना देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से पर निगाह रखना है। बड़ी कंपनियों पर निगाह रखना आसान है पर कई बार छोटी कंपनियां भी बड़ी करामात कर जाती हैं। किसी भी बड़े घोटाला में किसी-न-किसी कंपनी का नाम आता है। कॉरपोरेट क्षेत्र पर सतत निगरानी इस तरह हो कि वह सबको पारदर्शी तौर पर दिखाई भी दे। यानी ऐसा न हो कि निगरानी के नाम पर कंपनी के कामकाज का विकास का रास्ता ही रोक लिया जाए। चुनौती यह है कि कुछ भी गलत हो ना पाए और कुछ भी अच्छे का रास्ता अवरुद्ध ना हो। पारदर्शी निगरानी में नई तकनीक भारी मददगार साबित हो सकती है। कौन से निदेशकों के ट्रैक रिकॉर्ड किस तरह के हैं, यह चेक करना नई तकनीक की मदद से आसान हो गया है। कौन से क्षेत्र की कंपनियां सबसे ज्यादा घोटाला कर रही हैं। कौन से धंधे की कंपनियों में सबसे ज्यादा गड़बड़ियां दिखाई पड़ती हैं, इन सवालों के जवाब नई तकनीक की सहायता से आसानी से तलाशे जा सकते हैं। इस काम के लिए सिर्फ एक विभाग काफी नहीं है। प्रधानमंत्री दफ्तर में नियुक्त कार्यबल; आरबीआई, एसबीआई समेत उन तमाम बैंकों की मदद भी ले, जिनके पास तमाम डूबत कजरे की जानकारियां हैं। इन डूबत कजरे के पीछे कौन से उद्योगपति हैं कौन सी कंपनियां हैं, इसका एक स्थायी डाटा बैंक ना सिर्फ बनना चाहिए, बल्कि तमाम पब्लिक प्लेटफार्मों पर उपबल्ध भी होना चाहिए। अखबारों, टीवी चैनलों, शोधकर्ताओं को पता चलना चाहिए कि कौन सी कंपनियों ने क्या कारगुजारियां की हैं? इससे आम जनमानस को भी कंपनियों के कामकाज के बारे में शिक्षित करने में मदद मिलेगी, जो अंतत कॉरपोरेट क्षेत्र की बेहतर निगरानी में मददगार साबित होगी।

दागियों की भरमार

भारतीय महिला हॉकी टीम के जापान में एशिया कप में विजेता बनने से भारतीय हॉकी का एशियाई स्तर पर दबदबा तो स्थापित हो गया है। इसकी वजह अभी कुछ दिनों पहले ही भारतीय पुरु ष हॉकी टीम ने भी एशिया कप पर कब्जा जमाया था। हरेंद्र सिंह के महिला हॉकी टीम का कोच बनने के बाद यह उनका पहला ही टूर्नामेंट था और वह इस परीक्षा में सफल हो गए हैं। हरेंद्र सिंह के साथ सफल कोच का टैग लगा हुआ है। वह कुछ समय पहले भारतीय जूनियर हॉकी टीम को विश्व चैंपियन बना चुके हैं। हॉकी में भारतीय दबदबे की कहानी सभी देशवासी जानते हैं। हम पिछले कुछ समय से खोई प्रतिष्ठा को फिर से हासिल करने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। यह सही है कि एशियाई स्तर पर दबदबे के बहुत मायने नहीं हैं क्योंकि विश्व स्तर पर चमक बिखेरे बगैर बात नहीं बनने वाली है। पर इसे सफलता की तरफ सही बढ़ा कदम तो माना ही जा सकता है। भारतीय टीम इससे पहले घर में 2004 में चैंपियन बनी थी। भारतीय टीम की इस जीत से वह अगले साल इंग्लैंड में होने वाले विश्व कप के लिए तो क्वालिफाई कर ही गई है, साथ ही वर्ल्ड हॉकी लीग सेमीफाइनल्स में दस टीमों के बीच आठवें स्थान पर रहने से टीम का मनोबल गिर गया था। लेकिन इस सफलता से टीम का मनोबल ऊंचा हो गया है। हरेंद्र थोड़े ही समय में टीम की खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने में सफल हो गए हैं। इसका फायदा भारत को आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों में मिल सकता है। पर भारतीय हॉकी की खोई प्रतिष्ठा को फिर से वापस पाना तब ही माना जाएगा, जब हमारे खिलाड़ी ओलंपिक या विश्व कप में पोडियम पर चढ़ेंगे। हमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, जर्मनी और हॉलैंड जैसी टीमों को नियमित तौर पर हराना सीखना होगा। पिछले काफी समय से विदेशी कोचों के हवाले टीम को किया गया है। कुछ कोच टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाते नजर भी आए पर वह किन्हीं कारणों से टिक नहीं सके। पर जो कुछ टिके, उन्होंने स्तर तो सुधारा पर टीम को विश्व विजेता वाला टच देने में सफल नहीं हो सके। अच्छी बात है कि महिला और पुरुष टीम की कमान बिल्कुल सही हाथों में है।

''एशिया पीवोट' नीति

ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की ''एशिया पीवोट' नीति पर चल रहे हैं, या उसका परित्याग कर चुके किसी नये सिद्धांत को लेकर बढ़ रहे हैं? सवाल यह भी कि क्या ट्रंप मान कर चल रहे हैं कि एशिया में शांति के लिए धमकी और युद्ध ही सर्वश्रेष्ठ उपाय हैं? ट्रंप भले ही पूर्वी एशियाई देशों के समिट में शामिल हो रहे हों लेकिन क्या उनका मर्म व जरूरतें जान पाए हैं? वास्तव में पूर्वी एशियाई देश किससे भय खाते हैं, उ. कोरिया से या चीन से? एशिया शांति का रास्ता कहां से होकर जाएगा-प्योंगयांग या बीजिंग?ट्रंप की यात्रा से पहले उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल एच. आर. मैकमास्टर ने उनकी यात्रा के तीन लक्ष्य मोटे तौर पर गिनाए हैं।

सतीश पेडणोकर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी एशिया यात्रा पर हैं। पश्चिमी मीडिया के एक धड़े के अनुसार उनका दूर दशकों में संपन्न होने वाला एक ट्रिकीस्ट डिप्लोमैटिक दूर (चतुराईयुक्त कूटनीतिक यात्रा) है। लेकिन क्या वास्तव में ऐसा है? क्या किसी को भी अभी तक स्पष्ट हो पाया है कि ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की ''एशिया पीवोट' नीति पर चल रहे हैं, या उसका परित्याग कर चुके किसी नये सिद्धांत को लेकर बढ़ रहे हैं? सवाल यह भी कि क्या ट्रंप मान कर चल रहे हैं कि एशिया में शांति के लिए धमकी और युद्ध ही सर्वश्रेष्ठ उपाय हैं? ट्रंप भले ही पूर्वी एशियाई देशों के समिट में शामिल हो रहे हों लेकिन क्या उनका मर्म व जरूरतें जान पाए हैं?

वास्तव में पूर्वी एशियाई देश किससे भय खाते हैं, उ. कोरिया से या चीन से? एशिया शांति का रास्ता कहां से होकर जाएगा-प्योंगयांग या बीजिंग ?ट्रंप की यात्रा से पहले उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल एच. आर. मैकमास्टर ने उनकी यात्रा के तीन लक्ष्य मोटे तौर पर गिनाए हैं।

पहला-उ. कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय संकल्प मजबूत करना, दूसरा-स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देना; और तीसरा-निष्पक्ष एवं परस्पर व्यापार तथा आर्थिक गतिविधियों के जरिए अमेरिका को समृद्ध बनाना।

ट्रंप की यात्रा के रणनीतिक केंद्र टोक्यो और सियोल हैं, जबकि शेष औपचारिक। कारण यह है कि चीन और द. कोरिया की सीमा उ. कोरिया से लगती है, और जापान को उसकी समुद्री सीमा स्पर्श करती है। उ. कोरिया जिस तरह परमाणु ताकत बढ़ा रहा है, और उ. कोरियाई शासक किंम जोंग उन जैसी आक्रामता का प्रदर्शन कर रहे हैं, उससे उ. कोरिया से सर्वाधिक खतरा जापान और द. कोरिया को ही है। कुछ विश्लेषकों के अनुसार ट्रंप की यात्रा दशकों में कहीं एक बार होने वाली युक्तिपूर्ण या चतुराई भरी कूटनीतिक यात्रा है। इस दौरान वे एक दिन बीजिंग में बिताएंगे जबकि शेष समय पूर्वी एशियाई देशों में। इस दौरान वे द्विपक्षीय और बहुपक्षीय रिश्तों को परखेंगे। उन्हें मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

संभव है कि इस दौरान योकोता (जापान) और गुआम (द. कोरिया) जाकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में सफल हों। लेकिन एशिया प्रशांत क्षेत्र में किसी कदम को उठाने से पहले पिछले दो दशकों की अमेरिकी ट्रांस-पेसिफिक (या इंडो-पेसिफिक) नीति का अध्ययन करना होगा ताकि उन्हें मालूम चल सके कि पूर्वी एशियाई देश अमेरिका पर कितना भरोसा कर सकते हैं, या अमेरिका इन्हें भरोसे में लिए बगैर कितनी लंबी और किस किस्म की लड़ाई लड़ सकता है। हां, वे 10 और 11 नवम्बर को वियतनाम में रहेंगे, जहां हनोई में द्विपक्षीय संबंधों पर तथा अगले दिन दनांग में एशिया-पेसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन इकोनॉमिक लीडर्स की मीटिंग में बहुपक्षीय आयाम तलाशने की कोशिश करेंगे। 12 व 13 नवम्बर को मनीला में होंगे जहां अमेरिका के इस क्षेत्र के साथ व्यापारिक रिश्तों को पुख्ता करने की कोशिश होगी। इस औपचारिक उपस्थिति से उन्हें अतिरेक लाभ कितना मिलेगा, यह कहना मुकिल है। लेकिन उम्मीद कम ही है क्योंकि ओबामा की एशिया पीवोट नीति के नेपथ में जाने के बाद पूर्वी एशियाई देश पुन: ड्रैगन की

फुफकार से असहज महसूस करने लगे हैं। यहां एक ही बात समझने की है कि ट्रंप चीन के अतिरिक्त चार में से उन दो राष्ट्रों में शिरकत कर रहे हैं, जिनका चीन से दक्षिण चीन सागर को लेकर तीव्र विवाद है, और फिलीपींस के कारण ही चीन इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ अर्बिट्रेशन में मुंह की खा चुका है। शेष दो राष्ट्र यानि जापान और द. कोरिया वे हैं, जिनका उ. कोरिया से सीधा टकराव है, लेकिन आर्थिक प्रतिस्पर्धा चीन से भी है। चीन का उद्देश्य प्रशांत सागर में अपनी शक्ति को स्थापित करना ही नहीं बल्कि उसे बनाए रखना भी है, और इसके लिए उसे उ. कोरिया की जरूरत है। इसलिए चीन कदापि नहीं चाहेगा कि अमेरिका उ. कोरिया को आतंकवादी घोषित कर, उसके खिलाफ उसी तरह की कार्रवाई करे जैसी अफगानिस्तान के खिलाफ की थी, या इराक के खिलाफ। इतना तो मानकर चलना चाहिए कि चीन उ. कोरिया को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करने संबंधी विषय पर इंटरनेशनल कंसेंसस नहीं बनने देगा। न ही सुरक्षा परिषद में इससे संबंधित प्रस्ताव पास होने देगा। ऐसा नहीं कि ट्रंप प्रशासन चीन के इस नजरिए से वाकिफ नहीं है।

एक बात और, उ. कोरिया अब चीन के दबाव में उस तरह से नहीं आएगा जैसे कि पहले आ जाता था। संभव है कि उ. कोरिया चीन की बात मानने के लिए सौदेबाजी करे। स्वाभाविक है कि संगत अनुपात में चीन भी अमेरिका से उ. कोरिया के नाम पर सौदेबाजी करेगा। चूंकि ट्रंप की विदेश नीति में अब तक सुनिश्चित नहीं है कि वह एशिया-पीवोट पर आधारित होगी या मॉस्को पीवोट पर या बीजिंग-पीवोट पर (ऐसा संभव है क्योंकि ट्रंप एक व्यवसायी हैं, और उनकी बेटी मुख्य सलाहकार की भूमिका में हैं, इसलिए वे व्यापारिक रिश्तों पर विशेष ध्यान देते हुए बीजिंग के करीब जा भी सकते हैं)।

द. कोरिया और जापान भले ही उन पर भरोसा कर लें लेकिन वियतनाम और फिलीपींस सहित पूर्वी एशियाई देश उन पर भरोसा करेंगे, यह कहना मुश्किल है। तब ट्रंप के इसे दौरे को यूरोपीय-अमेरिकी मीडिया के मुताबिक ट्रिकीस्ट डिप्लोमैटिक माना जाए या फिर बेसलेस डिप्लोमैटिक?बहरहाल, व्हाइट हाउस चाहता है कि उ. कोरिया को आतंकवादी राष्ट्र करार दे। ट्रंप चाहते हैं कि किम जोंग उन को दंड दिया जाए और अमेरिकी शक्ति की पुनर्प्रतिष्ठा हो। जापान और द. कोरिया सुरक्षा चाहते हैं, और एशियाई देश शांतिपूर्ण विकास। चीन ट्रांस-पेसिफिक में एकाधिकार चाहता है। ऐसे में तो यही लगता है कि एशिया-प्रशांत नये रणनीतिक गेम का क्षेत्र बनने जा रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि अमेरिका दक्षिण-एशिया और इंडो-प्रशांत क्षेत्र के केंद्र में भारत को निर्णायक भूमिका निभाने का प्रस्ताव रख रहा है। लेकिन क्या डोनाल्ड ट्रंप और उनके अमेरिका फर्स्ट को परखा जा चुका है? शायद नहीं, फिर तो सावधान रहने की जरूरत है।

चलते चलते

पैराडाइज पेपर्स का तात्कालिक लाभ

सवाल-पैराडाइज का रिजल्ट क्या होगा? जवाब-वो ही जो बोफोर्स का हुआ था, कोई भी फाइनली ना पकड़ा गया। पैराडाइज पेपर्स का तात्कालिक लाभ यह है कि हम हनीप्रीत, राहुल गांधी के कुत्ते से बच जाएंगे तमाम टीवी चैनलों पर। टीवी चैनलों के रोजगार का सवाल है। हनीप्रीत उन्हें बिजी ना रख रही होती है तो राहुल का कुत्ता रोजगार दे देता है। राहुल का कुत्ता उन्हें फ्री छोड़ दे।

पैराडाइज का मतलब स्वर्ग है पर उन लोगों के लिए नरक टाइप भी हो सकता है, जिनके नाम पैराडाइज पेपर्स में हैं। पैराडाइज पेपर्स में तमाम कंपनियों और उनके निदेशकों के नाम हैं। सवाल-पैराडाइज का रिजल्ट क्या होगा? जवाब-वो ही जो बोफोर्स का हुआ था, कोई भी फाइनली ना पकड़ा गया। पैराडाइज पेपर्स का तात्कालिक लाभ यह है कि हम हनीप्रीत, राहुल गांधी के कुत्ते से बच जाएंगे तमाम टीवी चैनलों पर। टीवी चैनलों के रोजगार का सवाल है। हनीप्रीत उन्हें बिजी ना रख रही होती है। राहुल का कुत्ता रोजगार दे देता है। राहुल का कुत्ता उन्हें फ्री छोड़ दे तो फिर तमाम चैनल भारत पाक युद्ध कराने लगते हैं, या भारत चीन युद्ध भी करवा सकते हैं। सवाल-पर पैराडाइज पेपर्स से निकल क्या रहा है। जवाब-निकल यह रहा है कि देश में घणा विकास हो लिया है जो भारत में बगैर नेताओं के भी बड़े विदेशी लेन-देन हो सकते हैं। यह लोकतंत्र के परिपक्व होने के लक्षण हैं। सवाल-पर मूल सवाल यही है कि पैराडाइज पेपर्स से निकलता क्या है। जवाब-देखो निकलता कुछ भी किन्हीं पेपर्स से नहीं है। आठ-दस न्यूज रिपोर्ट निकलती हैं। बोफोर्स को करीब तीस साल हो लिए आज तक कुछ ना निकला। बोफोर्स से हर दो चार साल में कुछ आरोप निकल जाते हैं। फिर सब कुछ वैसे का वैसा चलता है। सवाल-फिर भी जिनके नाम आए हैं पैराडाइज पेपर्स में, उन पर क्या असर पड़ेगा। जवाब-जिनके नाम नहीं आए हैं, वो खराब टाइप फील कर रहे होंगे। पैराडाइज पेपर्स या किसी भी विदेशी कनेक्शन में नाम आना अब स्टेटस का मामला है। सवाल-फिर तो बेकार ही माना जाए पैराडाइज पेपर्स को। जवाब-बेकार से बेकार चीज भी बेकार नहीं होती। हाल में एक फिल्म आई इत्तेफाक, कई लोग इसे बेकार बता रहे हैं। यह बेकार नहीं है, क्योंकि इसने अक्षय खन्ना को रोजगार दिया है। अक्षय को रोजगार मिला, इसलिए इस फिल्म या किसी भी फिल्म को बेकार नहीं माना जा सकता। हनीप्रीत प्रकरण को बेकार नहीं कहा जा सकता। कई टीवी पत्रकारों को रोजगार मिला इससे। इसलिए कुछ भी बेकार नहीं है। रोजगार सबको कहीं-ना-कहीं मिल ही रहा है। कई पत्रकारों को पैराडाइज पेपर्स से रोजगार मिलेगा।

सत्संग

श्रद्धा भी बौद्धिक

शुन्य का अर्थ किसी का स्मरण नहीं, समस्त का विसर्जन है। हमने अपने को खोया नहीं है, केवल विस्मरण किया है। हम अपने को खो सकते ही नहीं। स्वरूप को खोया नहीं जा सकता, केवल विस्मरण है। और विस्मरण क्यों नहीं? विस्मरण इसलिए कि दूसरी बातों के स्मरण ने चित्त को भर दिया है। सारा स्मरण विसर्जित हो जाए तो स्व का बोध उत्पन्न हो जाएगा। श्री रमण से किसी ने पूछा था कि क्या सीखूं कि मुझे प्रभु उपलब्ध हो जाएं? श्री रमण ने कहा, सीखना नहीं है, अनलर्न करना है, भूलना है। स्मरण ही बाधा है। किन्हीं ने पूछा है, जब बुद्धि असफल हो जाती है तो क्या हम श्रद्धा का सहारा न लें। श्रद्धा भी बुद्धि है। हम बड़ी मुश्किल में हैं दुनिया में। समझते हैं अश्रद्धा बौद्धिक होती है और श्रद्धा बौद्धिक नहीं होती। अश्रद्धा भी बौद्धिक होती है, श्रद्धा भी बौद्धिक। किससे श्रद्धा करते हैं? जो मानता है कि मैं ईर को मानता हूं, किस चीज से मान रहा है? बुद्धि से मान रहा है। जो कहता है, मैं ईर को नहीं मानता। बुद्धि से नहीं मान रहा है। अश्रद्धा भी बौद्धिक है और श्रद्धा भी। बुद्धि बिल्कुल असफल हो जाए खोजने में तो न वह बुद्धि श्रद्धा करेगी, न अश्रद्धा क्योंकि श्रद्धा भी खोज है, अश्रद्धा भी। जो कह रहा है, ईर नहीं है, उसने भी कुछ खोज लिया। जो कह रहा है ईर है, उसने भी। दोनों की बुद्धि सफल हो गई। बुद्धि टोटल फेल्योर हो जाए तो आप सत्य को उपलब्ध हो जाएंगे। बुद्धि कह दे कि मैं कुछ नहीं खोज पा रही और बुद्धि पर से आस्था उठ जाए। बुद्धि से आप निराश हो जाएं तो आपके भीतर प्रज्ञा का जागरण हो जाएगा। जब तक बुद्धि को आस्था बनी है-चाहे श्रद्धा में, चाहे अश्रद्धा में तब तक प्रज्ञा का जागरण नहीं होगा। बुद्धि असफल हो जाए, इससे बड़ी और कोई बात नहीं। अंतिम प्रश्न और है-ईर और आत्मा में क्या संबंध है? क्या आत्मा ही परमात्मा है? मैं कोई उत्तर आपको इस संबंध में दूं तो गलत होगा क्योंकि मैंने कहा, आत्मा और परमात्मा के संबंध में बाहर से कोई कुछ भी नहीं दे सकता है। मैं आपको नहीं कहता कि आत्मा क्या है और परमात्मा क्या है? इतना ही कहता हूं कि कैसे उन्हें जाना जा सकता है। आत्मा क्या है, यह कहना बिल्कुल संभव नहीं है। आज तक संभव नहीं हुआ है। किसी व्यक्ति ने इस जगत में यह नहीं कहा कि आत्मा क्या है। जो आगे हैं उस सत्य के प्रति उन सबने यही बताया कि हम कैसे जागे हैं; क्या है, नहीं-उस क्या है के प्रति हम कैसे जागे हैं।

मुद्दा

भागम-भाग जिंदगी

रोजमर्रा की भागम-भाग जिंदगी में आदमी का बढ़ता गुस्सा, सरदर्द, पीठदर्द, हताशा, निराशा व नकारात्मक विचारों की प्रबलता तत्पश्चात अवसाद ये कुछ ऐसे लक्षण हैं, जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि ये मानिसक रोगों के लक्षण हैं। लेकिन कथित विकास की प्रतिस्पर्धा में प्राय: लोग इसे मानसिक रोग मानने को तैयार नहीं। यही कारण है कि मनोरोगियों की संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है। वैसे तो पूरी दुनिया में मनोरोगियों की बहुत बड़ी तादाद है, और वह लगातार बढ़ती ही जा रही है। लेकिन भारत जो गरीबी में जीते हुए भी इस रोग से 90 के दशक के पहले तक तकरीबन अछूता था, यहां अब रोग तेजी से पांव पसारता जा रहा है। आर्थिक उदारीकरण के बाद की समृद्धि ने देश में मनोरोगियों की भी बाढ़-सी ला दी है। वैसे तो देश या दुनिया में कुल कितने मानसिक रोगी हैं, इसका ठीक-ठीक आंकड़ा तो कहीं भी उपलब्ध नहीं है क्योंकि आम तौर पर 99 फीसद लोग इस रोग से प्रभावित होने के बावजूद चिकित्सकों के पास नहीं जाते और न ही खुद को मानसिक रोगी ही मानते हैं। बावजूद इसके भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का दावा है कि देश की लगभग 7 करोड़ आबादी मनोरोगों के चपेट में है जबकि यह तादाद 1991 तक महज 3 करोड़ ही थी। हालांकि सरकार ने हाल के दिनों में इस ओर ध्यान दिया है, और संसद ने लंबित मानसिक स्वास्थ्य देखभाल विधेयक, 2013 को मंजूरी दे दी है। लेकिन केवल कानून बन जाने से इस समस्या का समाधान संभव नहीं दिखता। समाजशास्त्री डॉ. अविनाश सिंह कहते हैं कि इस बीमारी के लिए पाश्चात्य जीवन शैली भी काफी हद तक जिम्मेदार है। कथित विकास और विलास की अतृप्त प्रतिस्पर्धा के चलते आदमी को अपने लिए वक्त ही नहीं है। उनका दावा है कि अकेले अमेरिका की 20 फीसदी आबादी किसी न किसी मनोरोग से प्रभावित है। धन कमाने की अंधी दौड़ में वे खुद को मानसिक रोगी मानने को तैयार नहीं हैं। वहीं, भारत में जहां 1991 तक महज 3 फीसद लोग इसके दायरे में थे, उनकी तादाद भी अब बढ़कर 6 फीसद से ज्यादा हो गई है। यद्यपि भारत में योग क्रांति के बाद के बाद लोगों में अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है। लोगों की जीवन शैली में बदलाव आ रहा है। लेकिन विकराल हो चुकी इस समस्या का व्यापक समाधान सिर्फ योग से संभव नहीं। भारत में 1982 से ही जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम चल तो रहा है पर इसकी गति बेहद धीमी है। देश भर के 660 जिलों में अभी तक महज 443 जिलों में ही मानसिक रोग निवारण केंद्र खुल सके हैं। तो देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों, जिनकी आबादी 6 करोड़ से ज्यादा है, में अभी तक एक भी चिकित्सा केंद्र नहीं खुल पाया है। आंकड़े बताते हैं कि देश की 3.1 लाख आबादी पर महज 1 मनोचिकित्सक उपलब्ध है। इनमें भी 80 फीसद चिकित्सक तो शहरी क्षेत्रों में हैं। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों में तो 10 लाख की आबादी पर एक मनोचिकित्सक ही उपलब्ध है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो का आंकड़ा तो और भी चौंकाने वाला है। उसका कहना है कि पिछले 15 सालों में देश भर में तकरीबन 126166 लोगों ने विभिन्न मानसिक रोगों के चलते आत्महत्याएं की हैं। इनमें सर्वाधिक तादाद अकेले महाराष्ट्र में रही, जहां 19601 लोगों ने आत्महत्या की तो प. बंगाल दूसरे स्थान पर रहा। वहां 13932 लोगों ने अपना जीवन गंवा दिया। इसकी विकरालता को इस आधार पर समझा जा सकता है कि दुनिया का हर चौथा आदमी कभी न कभी मानसिक रोग का शिकार हुआ है। लेकिन कुछ आदतों में सुधार करके इससे बचा भी जा सकता है। मनोचिकित्सक कहते हैं कि व्यक्ति अपनी कुछ आदतों जैसे ज्यादा देर तक टीवी देखना, सेलफोन का ज्यादा इस्तेमाल आदि के साथ ही देर तक सोने की आदतों जैसी आदतों का परित्याग कर इससे बच सकता है। इसके अलावा, नियमित 30 मिनट का व्यायाम एवं ध्यान भी बेहतर परिणाम दे सकता है। लेकिन जो इसकी चपेट में हैं, उन्हें चिकित्सकीय परामर्श जरूर लेना चाहिए।

दिल्ली की तकरार

आभा स्वामी

दिल्ली सरकार के अधिकारों के मसले पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ की इस टिप्पणी से हैरानी नहीं कि पहले से चली आ रही व्यवस्था ही सही है और शासन संचालन के मामले में दिल्ली के उपराज्यपाल को प्रमुखता प्राप्त है। कायदे से दिल्ली सरकार को इस व्यवस्था के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के समक्ष जाने की कोई आवश्यकता ही नहीं थी, क्योंकि यह व्यवस्था मोदी सरकार ने नहीं बनाई। यह तो पहले से चली आ रही है। नि:संदेह ऐसा भी नहीं है कि आम आदमी पार्टी के नेताओं को चुनाव मैदान में उतरने से पहले यह पता न हो कि वे जिस दिल्ली पर शासन करने का स्वप्न देख रहे हैं, उसके संचालन के तौर-तरीके क्या हैं। यदि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं थी तो इसके लिए वे अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगियों को पहले दिन से इससे अवगत होना चाहिए था कि केंद्र शासित प्रदेश, साथ ही देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली के पास वैसे अधिकार नहीं हो सकते, जैसे अन्य राज्यों के हैं। उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि दुनिया के अधिकांश देशों की राजधानियों में स्थानीय सरकार के अधिकार सीमित ही होते हैं।

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि दिल्ली सरकार के अधिकारों का मसला इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गया, क्योंकि केजरीवाल हर मामले में अपने हिसाब से और यहां तक कि अपनी हदों को पार करके भी सरकार चलाना चाह रहे थे। उनकी इसी चाहत ने केंद्र सरकार से टकराव की स्थिति पैदा की और शायद इसी कारण उन्हें इस प्रतिकूल टिप्पणी का सामना करना पड़ा कि लगता है दिल्ली सरकार कानून के हिसाब से काम करना नहीं चाह रही है। उचित यह होगा कि आम आदमी पार्टी के नेता यह स्मरण करें कि शीला दीक्षित ने वर्तमान की तरह से सीमित अधिकारों के साथ ही दिल्ली पर लंबे समय तक शासन किया। उनके शासन का एक कालखंड ऐसा भी था, जब केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार थी। यदि शीला दीक्षित सक्षम तरीके से शासन चलाने में सफल रहीं तो फिर अरविंद केजरीवाल को क्या कठिनाई है? केजरीवाल और उनके साथी राजनीतिक कारणों से शीला दीक्षित पर चाहे जैसे आरोप लगाएं।

इससे कोई इनकार नहीं कर सकता कि उन्होंने अपने समय में दिल्ली के विकास को एक दिशा दी। अच्छा होगा कि केजरीवाल सरकार यह देखे कि उसने अपने अब तक के शासन में दिल्ली को क्या दिया है? वह चाहे जो दावे करे, सच्चाई यह है कि विकास के मामले में दिल्ली ठहरी हुई नजर आने लगी है। दिल्ली गंदगी, प्रदूषण आदि के लिए ही अधिक चर्चा में रहती है। अगर केजरीवाल दिल्ली वालों के हित की चिंता कर रहे हैं तो फिर उन्हें उपराज्यपाल के साथ मिलकर सरकार चलानी चाहिए। चूंकि ताली दोनों हाथों से बजती है, इसलिए उपराज्यपाल को भी दिल्ली सरकार के सहयोगी और मार्गदर्शक के रूप में दिखना चाहिए। इसका कोई औचित्य नहीं कि वह फाइलें रोककर बैठे रहें। वैसे यह भी सही है कि अधिकारों का दायरा चाहे जितना स्पष्ट हो जाए, यदि दोनों पक्षों में सहयोग भाव नहीं होगा तो खटपट होती ही रहेगी।

एनटीपीसी हादसा: मुकदमा दर्ज कराने के लिए कोर्ट में याचिका दायर

लखनऊ। एनटीपीसी ऊंचाहार के यूनिट नंबर छह में हुए हादसे में सीएम के आदेश के बाद भी अभी तक मुकदमा नहीं दर्ज हो सका है। अब अधिवक्ता गोपाल खन्ना ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट परितोष श्रेष्ठ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नौ नवंबर तक ऊंचाहार पुलिस को रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। अधिवक्ता खन्ना ने अपने प्रार्थना पत्र में कहा है कि एक नवंबर को एनटीपीसी ऊंचाहार की छठवीं यूनिट में हुए हादसे में 35 लोगों की मौत हुई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए। यह घटना इकाई प्रबंधन व कार्यदायी संस्था के अधिकारियों की लापरवाही से हुआ है। यह जानते हुए भी कि अगर यूनिट के संचालन के दौरान राख बने क्लींकर को निकाला गया तो कोई हादसा हो सकता है। इसके बाद भी लापरवाही बरती गई। ऐसे में बिना जांच सच सामने नहीं आएगा। घटना के छह दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इस घटना में रिपोर्ट दर्ज होना अतिआवश्यक है। खन्ना के अधिवक्ता देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि अगर जांच में देरी की गई तो वहां पर तमाम साक्ष्य मिटाए जा सकते हैं। जिससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाएगा कि घटना में कितने श्रमिक प्रभावित हुए हैं। न्यायालय ने मामले में ऊंचाहार पुलिस से नौ नंवबर तक हर हाल में रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। अब मामले की सुनवाई नौ नवंबर को होगी। वहीं एक अन्य अधिवक्ता शकील अहमद ने भी उक्त घटना की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया। जिसकी सुनवाई सात नवंबर को होगी।

यूनिट के नक्शे पर उठे सवाल

जांच टीम की नजर एनटीपीसी के यूनिट नंबर छह के नक्शे पर अटक गई है। टीम बड़ी बारीकी से नक्शे व उसके निर्माण की प्रक्रिया को देख रही है। माना यह जा रहा है ऐश पाइप चोक नहीं थी। हालांकि कोई भी अधिकारी इस पर कुछ बोलने को तैयार नहीं है। वहीं जांच टीम ने यूनिट के अंदर काम करने वाली कंपनियों के कर्मचारियों को सिर्फ पेपर वर्क करने की अनुमति दी है। इसके अलावा उन्हें यूनिट के अंदर कोई कार्य करने की अनुमति नहीं दी है। इसके साथ ही एक नवंबर को कितने लोग काम कर रहे थे इसकी रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है।

जांच टीम ने यूनिट नंबर छह के नक्शे से लेकर उसके निर्माण तक को बारीकी से देख रही है। सूत्रों की मानें तो टीम का मानना है कोई भी अधिकारी ऐश पाइप चोक होने के बाद यूनिट को चलाने की अनुमति नहीं दे सकता है। ऐसे में पाइप के साथ ही उसकी डिजाईन को भी देख जा रहा है। उसे किस तरह बनाई गई थी, अन्य यूनिटों से अलग इसमें क्या बनाया गया था। इसी के साथ ही अन्य कई विंदुओं को लेकर जांच टीम काम कर रही है।

बरेली: डीएम ऑफिस के सामने बदमाशों ने लूटा 16 लाख का सोना

बरेली। डीएम ऑफिस के सामने आटो से आए बदमाश 16 लाख का सोना लूट कर लग्जरी गाड़ी से फरार हो गए। मामले की सूचना पर एसएसपी और सीओ सिटी समेत तमाम पुलिस वाले पहुंच गये। पूरे शहर में नाकेबंदी कर गाड़ियों की जांच शुरु की लेकिन बदमाशों का पता नहीं लगा है। घटना की तहरीर कोतवाली पुलिस को दी गई है। पंजाब में अमृतसर कोर्ट आत्माराम रोड निवासी हरविंदर सिंह सर्राफा कारोबारी हैं। वह बरेली आलमगीरी गंज में रहकर दुकानों पर सोने की सफाई करते हैं। हरविंदर सिंह मंगलवार सुबह अमृतसर ट्रेन से बरेली आए थे। स्टेशन से वह ऑटो में बैठ कर अपने घर की तरफ आ रहे थे। आटो में दो अन्य लोग भी बैठे थे। उन्होंने कचहरी के पास हरमिंदर सिंह को गन पॉइंट पर ले लिया। उनका बैग लूट लिया। विरोध करने पर गोली मारने की धमकी दी। हरविंदर सिंह पहले कुछ कर पाते पीछे से आई इनोवा में दोनों लुटेरे बैठ कर फरार हो गए।

हरविंदर सिंह ने बताया उनके पास लगभग 16 लाख रुपए का सोना था। बदमाशों के जाने के बाद हरविंदर ने शोर मचाया। जिस पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एसएसपी जोगेंद्र कुमार, एसपी सिटी रोहित सिंह, सीओ कुलदीप कुमार पहुंच गए।

उत्तर प्रदेश में 1500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी एचसीएल- योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। एचसीएल के एक कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कंपनी उत्तर प्रदेश में दो साल के भीतर 1500 करोड़ का निवेश करेगी। इससे प्रदेश में युवाओं को रोजगार के तमाम मौके मिलेंगे। प्रदेश सरकार ऐसा वातारण बनाने का प्रयास कर रही है जिससे यहां पर निवेश बढ़े। उन्होंने कहा कि एचसीएल की आईटी सेक्टर के साथ सामाजिक में भागीदारी सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 60 हजार ग्राम पंचायत और 1 लाख 71 हजार छोटे मजरे है। जिसमें 1 लाख से अधिक मजरों में बिजली नही पहुंची है। सरकार बनने के बाद 7 महीने के भीतर 15 हजार मजरों में बिजली पहुंचने का काम किया गया। वहीं 6 जिलों को खुले में शौच से मुक्त किया गया है। दिसंबर 2017 तक 30 जिलों को शौच से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से प्रदेश के 1655 गाँवो को सरकार की एक भी योजना का लाभ नहीं मिला है। ऐसे में उन्होंने कहा कि एचसीएल फाउंडेशन को वह आमंत्रित करते हैं कि इनमें से कुछ गांव एचसीएल गोद ले। ताकि वह भी विकास की मुख्य धारा से जुड़ सके।

अयोध्या विवाद: निपटारे के लिए 6 दिसंबर तक प्रस्ताव तैयार करेगा शिया वक्फ बोर्ड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने कहा कि वह अयोध्या विवाद के शांतिपूर्ण तरीके से निपटारे के लिए 6 दिसंबर तक एक मसौदा प्रस्ताव तैयार करेगा। गौरतलब है कि 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद को गिराया गया था।

शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी ने एक मीडिया एजेंसी से कहा कि वह शंकराचार्यों और महंतों से मिलने के लिए इसी महीने अयोध्या जाएंगे। उन्होंने कहा इनमें से कई के साथ मैंने प्रस्ताव की शर्तों पर पहले ही बात कर ली है ताकि विवाद का आपसी सहमति से शांतिपूर्ण तरीके से हल निकाला जा सके।

रिजवी के अनुसार, जिन लोगों ने उन्होंने बात की उनमें कुछ याचिकाकर्ता भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 6 दिसंबर तक यह प्रस्ताव तैयार हो जाएगा। रिजवी ने पिछले महीने आर्ट आफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर से बेंगलूरू में मुलाकात की थी और उन्हें शिया वक्फ बोर्ड के पक्ष से अवगत कराया था। जिसमें कहा गया था कि मंदिर का निमार्ण उसी स्थान पर किया जाना चाहिए।

यूपी: मंत्रियों का वित्तीय अधिकार 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ किया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वित्तीय अधिकार 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिए गए हैं। इसके अलावा गन्ने का समर्थन मूल्य 310 रुपये करने के फैसले पर भी कैबिनेट ने अपनी मुहर लगा दी है। कैबिनेट की बैठक मंगलवार शाम को हुई। सूत्रों के मुताबिक कैबिनेट की बैठक में लिये गए फैसले के अनुसार सहकारी समितियों के बोर्ड का अधिकार अब प्रबंध निदेशक को दे दिया गया है।

शिक्षिका ने दो छात्राओं को बेरहमी से पीटा, एक का हाथ टूटा

हिन्दुस्तान टीम, संभल

उत्तर प्रदेश के संभल जिले के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में शिक्षिका का अमानवीय चेहरा समाने आया है। जूते न पहनकर आने की बिनाह पर शिक्षिका ने आपा खो दिया। छात्रा को लोहे के पाइप से पीट पीटकर उसका हाथ तोड़ डाला।

वहीं दूसरी छात्रा को भी पीटकर घायल कर दिया। छात्रओं को उपचार के लिए निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया है। वहीं बीएसए ने पूरे मामले पर जांच बैठायी है। बहजोई के यादव कालौनी निवासी महेशचन्द्र शर्मा की पुत्री खुशबू कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कक्षा सात व गांव कूबरी राम निवासी ऋषीपाल सिंह की पुत्री रतनेश कक्षा आठ की छात्रा हैं।

खुशबू व रतनेश विद्यालय की पहली मंजिल पर खेल रहीं थी। वह खेलते खेलते नीचे आ गईं तो शिक्षिका विजय लक्ष्मी ने जूते न पहने के बारे में पूछा तो छात्राओं ने जूते नहीं मिलने की बात कही। आरोप है कि इस पर शिक्षिका भड़क गई और उसने अपना आपा खो दिया। शिक्षिका ने पास में रखे लोहे के पाइप से खुशबू व रतनेश को पीटना शुरू कर दिया।

शिक्षिका तब तक खुशबू व रतनेश को पीटती रही जब तक कि वह घायल होकर गिर नहीं गई। अन्य शिक्षिकाओं ने आकर दोनों छात्राओं को बचाया। छात्राओं के दर्द से कराहने पर निजी चिकित्सक के यहां उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां खुशबू का हाथ टूटा पाया गया। वहीं दूसरी छात्र रतनेश चोटिल हुई है। शिक्षिका की बेरहमी की जानकारी मिलने पर अभिभावक पहुंचे और शिक्षिका पर कार्रवाई की मांग उठाई। बीएसए डा. सत्यनारायण ने पूरे मामले की जांच करने के लिए दो सदस्यीय कमेटी बनाई है।

बिहार

गिरिराज सिंह ने किया रुद्राक्ष महाभिषेक यज्ञ का उद्घाटन

बाँसी (बांका)। निज संवाददाता

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को सांझोतरी स्थित शिवपार्वती धाम में आरंभ हुए श्री रुद्राक्ष महाभिषेक यज्ञ के उद्घाटन मौके पर कहा कि आज आज हिन्दू समाज को संगठित होने की जरूरत है। हिन्दू धर्म के संस्कार और संस्कृति में भारी गिरावट आ गयी है। यह गिरावट समाज में अग्रणी कहलाने वाले लोगों से आयी है। वनवासियों एवं हिन्दुओं को लोभ देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है, यह चिंता का विषय है। दुर्गा पूजा के अवसर पर 19 जिलों में दुर्गा के प्रतिमाओं को एक समुदाय के लोगों द्वारा खंडित कर दिया गया। मूर्ति विसर्जन के लिए रास्ते बदल दिये गये, क्या इसी दिन के लिए हमें आजादी मिली थी। इससे पूर्व धनवंतरी पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर सुरेशानंद जी सरस्वती, रंगानाथाचार्य

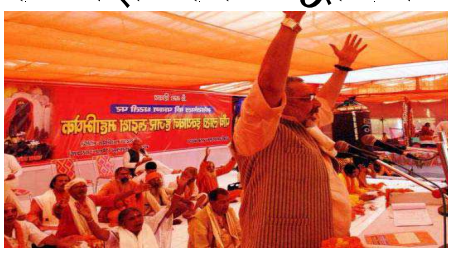

जी महाराज, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, राजसभा सांसद गोपाल नारायण सिंह, पूर्व सांसद पुतुल कुमारी, विधायक मनीष कुमार आदि ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर पांच दिवसीय 5 लाख 51 हजार रुद्राक्ष महाभिषेक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। परमसंत सुरेशानंद सरस्वती जी ने कहा कि संस्कृति को बचाने के लिए धर्मांतरण को रोकना होगा और रुद्राक्ष धारण करना होगा। स्वामी रंगनाथ जी ने कहा कि वेदों को संरक्षति करने के लिए गांवों और जंगलों की ओर लौटना होगा। यही वजह है कि इस वनवासी इलाके को इस महायज्ञ के लिए चुना गया है। धर्म जागरण समंवय के क्षेत्र प्रमुख सूबेदार सिंह ने कहा कि भगवान शंकर दलितों पिछड़ों और गरीबों के देवता माने जाते हैं। भगवान विरसा मुंडा ने उस वक्त काफी आदिवासियों की घर वापसी करायी थी जो लोग ईसाई धर्म अपना चुके थे।

शराब पीते हुए ऑफिस में काम कर रहे थे सरकारी कर्मचारी, डीएम ने किया सस्पेंड

पटना. बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बाद भी लोगों को आसानी से शराब मिल रहा है और वे बेखौफ होकर जाम पर जाम छलकाए जा रहे हैं। इसकी बानगी मोतिहारी में देखने को मिली। यहां सरकारी ऑफिस में बिहार सरकार के कर्मचारी शराब पीकर फाइल निपटा रहे थे। घटना मोतिहारी सदर अंचल की है। मोतिहारी जिलाधिकारी रमण कुमार मोतीझील से संबंधित फाइलों को देखने आए थे। जैसे ही वह ऑफिस में पहुंचे अंदर का सीन देख हैरान रह गए। टेबल पर फाइलों के साथ शराब की बोतलें और कांच के ग्लास रखे थे। इसके साथ ही चखना के लिए खाने का भी इंतजाम था। कर्मचारी काम के साथ शराब भी पी रहे थे। डीएम रमण कुमार ने शराब पीते रंगे हाथ पकड़े गए राजस्व कर्मचारी हारून रशीद और भोला राम को निलंबित कर दिया।

बिहार में 18 और ट्रेनिंग कॉलेजों को मिली दाखिले की मंजूरी

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने सोमवार को राज्य के 18 और ट्रेनिंग कॉलेजों में डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) में दाखिले की मंजूरी प्रदान कर दी है। बोर्ड के शासी निकाय की बैठक में इन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेजों को दाखिला लेने की मंजूरी प्रदान की गयी। अब इन कॉलेजों में सत्र 2018-20 में दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी। हालांकि, इस सत्र में इन कॉलेजों में दाखिला नहीं हो सकेगा।

बोर्ड के शासी निकाय में एक माह पहले 120 डीएलएड कॉलेजों की मान्यता दी गयी थी। अब कुल मिलाकर 138 डीएलएड कॉलेजों की मंजूरी बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से दी जा चुकी है। बिहार बोर्ड की ओर से 18 नए कॉलेजों में साढ़े 14 सौ छात्रों का दाखिला होगा। पूर्व में बोर्ड के शासी निकाय में 115 डीएलएड कॉलेजों को सत्र 2017-19 में दाखिले के लिए मंजूरी प्रदान की गयी। वहीं सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पांच अन्य टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेजों को मान्यता दी गयी थी। इनका सत्र 2017-18 दिया गया था।

स्थल निरीक्षण के बाद मिली मंजूरी

पूर्व में इन कॉलेजों के स्थल निरीक्षण का काम दो साल में दो बार किया जा चुका था, पर बोर्ड की ओर से मंजूरी प्रदान नहीं की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट से आदेश प्राप्त होने के बाद बोर्ड की ओर से शासी निकाय की बैठक कर इन कॉलेजों को मंजूरी प्रदान की गयी है। इन कॉलेजों में 2016 के रेगुलेशन के हिसाब से दाखिला लिया जाएगा। बोर्ड की ओर से पहली बार डीएलएड कोर्स के लिए रेगुलेशन बनाया गया है। इसके पहले बिना रेगुलेशन के कोर्स चलाए जा रहे थे।

इन कॉलेजों को मिली मंजूरी

साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन, इरकी जहानाबाद, मां कमला चिद्ररका जी टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, सी नगर जहानाबाद, बाल्मीकि टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, शाहजहांपुर, वैशाली, ज्ञान प्रकाश स्वामी विवेकानंद टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, बीएड कॉलेज, हरदास बिगहा, पटना, चन्द्रगुप्त मौर्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सदीसोपुर, विक्रम रोड, काला भगवानपुर पटना, बिहार कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हाजीपुर वैशाली, हरि नारायण सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स एजुकेशन, बैजला, सासाराम रोहतास, पूरनमल बजोरिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, नरगाकोठी, चंपारण भागलपुर के अलावा बीएलबीएड कॉलेज रामपुर टोला, धनहरा औरंगाबाद, एमपी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चांदनी चौक मधेपुरा, प्रतिभा पल्लवन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, पीजी रोड बरनी, मसौढ़ी पटना, रघुनंदन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, मठियापुर, दानापुर पटना, माता मंझारो अजबदयाल सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, देलौर जगदीशपुर, भोजपुर, डा. त्रिशुलधारी पांडेय मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अमेरा, थरथरी बिहारशरीफ, नालंदा, विद्या कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज रसुलपुर वरुण संपतचक, पटना, आर्यभट्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, रक्सीया पटना, न्यू होरीजन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, शाहपुर, तमौनी सिमरिया कजरेली भागलपुर को दाखिले लेने की बिहार बोर्ड से मंजूरी मिली है।

फोन कर महिलाओं को झांसे में लिया 50 लाख से ज्यादा की कर ली उगाही

गया.शहर के डेल्हा थाना अंतर्गत संजय नगर में एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। करीब पचास लाख की उगाही लोन दिलाने के नाम पर जीआईजी मल्टी सर्विसेज फाईनेंस नाम की कंपनी द्वारा कर लिए जाने का मामला सामने आया है। इस कंपनी ने जिससे रुपए लिए, उसे लोन तो नहीं दिया, बल्कि ऋण के लिए जिन्होंने ज्यादा तंग किया, उसे फर्जी चेक थमा दिया गया। फर्जी चेक कई महिलाओं के हाथ लगे तो पोल खुलती चली गई। इसके बाद संजय नगर स्थित उक्त फर्जी संस्था के दफ्तर पर सैकड़ों महिलाएं सोमवार को पहुंच गई। इस दौरान काफी हंगामा मचाया और तोड़फोड़ की। प्रति महिलाओं से एक हजार की रकम ली गई। उन्हें 25 हजार का लोन मिलेगा, साथ ही प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का लाभ भी दिलाया जाएगा। महिलाओं के करीब 500 से अधिक ग्रुप इस झांसे में आ गए। इनसे तकरीबन पचास लाख से अधिक की वसूली की गई। लोन की बारी आई तो संस्था के संचालक इन्हें समझा-बुझाकर चलता कर दे रहे थे। इसी बीच एक-दो महिलाएं लोन लेने को अड़ गई तो उन्हें फर्जी चेक कंपनी के द्वारा थमा दिया गया।

मोबाइल पर कॉल से जुड़ती चली गईं कई महिलाएं

ठगी का शिकार हुई संगीता कुमारी, निर्मला देवी, धनिया बगीचा की मीना देवी ने बताया कि उक्त कंपनी के द्वारा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को फोन किया गया। योजना बताकर एक हजार रुपए जमा करने की बात कही गई। इसमें शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक की महिलाएं जुड़ती चली गई। लेकिन कई माह बीत जाने के बाद भी किसी को ऋण नहीं मिल रहा था।

52 और सेंटर हैं संचालित, मुख्य संचालक फरार

छापेमारी के बाद पुलिस का दावा है कि ठगी की रकम एक करोड़ से अधिक तक पहुंच सकती है। इस कंपनी के 52 और सेन्टर रहने की बात सामने आ सकती है, जिसकी जांच की जा रही है। इधर पुलिस के आने की भनक पाते ही ऑफिस में रहा संचालक धर्मेंद्र कुमार मौके से अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने फाइल, दोपहिया वाहन, लगाए गए होर्डिंग की बरामदगी की है।

यहां एक साथ उठीं 6 अर्थियां, नहाने के दौरान गंगा में डूबने से हुई थी 7 की मौत

फतुहा (पटना).थाना एरिया के मिर्जापुर नोहटा से सोमवार को एक साथ छह अर्थियां निकली। इसके बाद फतुहा के सम्मसपुर स्थित श्मशान घाट पर दाह-संस्कार किया। दाह संस्कार के दौरान स्थानीय विधायक डॉ रामानंद यादव समेत कई लोग मौजूद रहे। बता दें कि रविवार को गंगा स्नान करने 11 लोगों में सात लोगों की डूबकर मौत हो गई थी।

राधेश्याम का उजड़ गया परिवार

रविवार को गंगा नदी में हुए हादसे में जहां राधेश्याम की एक बेटी की मौत से उसका पूरा परिवार उजड़ गया। उसकी पत्नी की भी मौत पूर्व में हो चुकी है। वहीं बिहारी यादव भी बेऔलाद हो गया है। इस हादसे में उसके दो बेटे गौतम और गौरव की मौत हो गई। वहीं पड़ोस के ही भोला यादव के बेटे साहिल और उसके भाई शंकर यादव की पत्नी रंजू देवी उर्फ उषा और उसकी एक बेटी छोटी की भी मौत होने से पूरा परिवार सदमे में है। वहीं अरुण कुमार की पुत्री आरती की भी हादसे में मौत हुई है, जबकि घटना में रामबलि यादव उर्फ राजू की पुत्री काजल का शव अब तक बरामद नहीं हुआ है। छह परिवारों के घरों में मातमी सन्नाटा पसरा है और कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं।

सोमवार को पहुंचे स्थानीय विधायक डॉ रामानंद यादव का मिर्जापुर नोहटा के दर्जनों युवकों ने नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष संजय गोप के नेतृत्व में जमकर विरोध किया। संजय गोप ने बताया कि विधायक जी को रविवार को घटना के समय से ही लगभग 100 बार फोन किया गया। बावजूद इसके इन्होंने फोन नहीं उठाया।

एनआईटी, मणिपुर में बिहार के छात्रों पर हमला, नीतीश ने मणिपुर के सीएम से की बात

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), मणिपुर में बिहार के छात्रों के साथ मारपीट के मामले में मंगलवार को मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने उनसे ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के पुख्ता इंतजाम करने और बिहार के छात्रों को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के वरीय अधिकारियों को भी मणिपुर के अधिकारियों से संपर्क स्थापित करके मामले पर लगातार नजर रखने का आदेश दिया है। राज्य के डीजीपी पी.के. ठाकुर ने मणिपुर के पुलिस महानिदेशक से इस संबंध में बात की।

दिव्यांग को किया किडनैप, किडनी के लिए बना रहे थे दबाव

सकरा (मुजफ्फरपुर).सकरा थाने के सिमरी गांव में किडनी निकालने के लिए दिव्यांग किशोर को अगवा करने का मामला सामने आया है। घर के दरवाजे से किशोर को उठाकर भाग रहे लोगों को देखकर परिजनों ने जब शोर मचाया तो किशोर को बागीचा में छोड़कर छह आरोपित भाग निकले। किशोर निश्छल कुमार चौहान को उसके परिवार वाले घर ले गए। निश्छल के पिता संतोष कुमार ने इस बाबत गांव के ही छह लोगों पर नामजद आरोप लगाते हुए सकरा थाने में एफआईआर के लिए आवेदन दिया है।

सकरा थानेदार जीतेंद्र कुमार ने बताया कि संतोष ने किडनी निकालने के उद्देश्य से बेटे का अपहरण करने का आरोप लगाते हुए थाने में सोमवार की रात आवेदन दिया है। मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को दिन में पुलिस सिमरी गांव जाएगी। यह पता लगाया जाएगा कि संतोष और आरोपित किए जा रहे नंद किशोर साह के बीच कोई अन्य विवाद तो नहीं है।

10 दिन से किडनी के लिए बना रहा था दबाव

पिता संतोष ने बताया कि उसके बेटे की उम्र 17 वर्ष है, लेकिन बीमारी के कारण हाथ-पांव व शरीर सूख जाने से वह 10 से 12 वर्ष का लगता है। किशोर चलने-फिरने में असमर्थ है। उसने पुलिस को बताया कि गांव के ही नंद किशोर साह 10 दिनों से बच्चे की किडनी देने के लिए दबाव बना रहा था। उन्हें बीमारी के कारण किडनी की जरूरत है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरत में, बूथ लेबल कार्यकर्त्ताओं को किया संबोधित, दिया मार्ग दर्शन

सूरत। गुजरात विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों की विजय सुनिश्चित करने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह मंगलवार को सूरत के दौरे पर थे। सूरत एयर पोर्ट पर उतरने के बाद वे पाल स्थित संजीव कुमार आडिटोरियम पहुंचे जहां उन्होंने बूथ लेबल कार्यकर्त्ताओं को चुनाव में जीत के टिप्स दिए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने 7 से 12 नवंबर तक गुजरात में चलने वाले गुजरात गौरव महा संपर्क अभियान का शुभारंभ किया।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा विधानसभा चुनाव में उतारेगी अपने उम्मीदवार

क्रांति समय संवाददाता, सूरत। अखिल भारतीय हिंदू महासभा गुजरात विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। उरोक्त जानकारी अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणी ने सोमवार को सूरत में आयोजित प्रेस वर्ता में दी। भाजपा पर हिंदू एजेड़े से पीछे हटने का आरोप लगाते हुए स्वामी चक्रपाणी ने कहा कि 13 फरवरी, 2018 से पहले केंद्र सरकार मंदिर निर्माण की घोषणा नहीं करती है तो अखिल भारतीय हिंदू महासभा एक बार फिर अयोध्या के लिए कूच करेगी। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हिंदुत्व के एजेंडे, राम मंदिर निर्माण, गो हत्या पर रोक, कश्मीर से धारा 370 हटाने के मुद्दे पर समर्थन किया था। जिसे भाजपा ने भुला दिया है, गोरक्षकों को प्रधानमंत्री गुंडा तत्व बताकर अपमान कर रहे है। जिससे गौरक्षकों का मनोबल टूट रहा है। कश्मीर में भाजपा और पीडीपी की संयक्त सरकार है, बावजूद इसके कश्मीर सरकार अफजल गुरू को शहीद घोषित कर रही है। जिसे भाजपा ने भुला दिया है, गोरक्षकों को प्रधानमंत्री गुंडा तत्व बताकर अपमान कर रहे है। जिससे गौरक्षकों का मनोबल टूट रहा है।

गुजरात में विकास की खूब बातें हो रही हैं, लेकिन वह कहीं दिखाई नहीं दे रही है। मोदी सरकार को दाउद को भारत में लाने के वादे की याद दिलाते हुए कहा कि सरकार ने दाउद को पकड़ने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं।

रांदेर में 48 हजार की चोरी

सूरत। रांदेर के गेल टावर स्थित श्री दर्शन एपरमेन्ट के एक बंद फफ्लैट को चोर उचकको ने निशाना बनाकर 48 हजार की चोरी कर फरार हो गए होने का मामला सामने आया है पुलिस सूत्रों के अनुसार रांदेर के गेल टावर स्थित श्री दर्शन अपार्टमेन्ट निवासी विवेक भाई अशोकभाई भवानिया 29 नोकरी कर परिवार का गुजारा करते है । विवेक भाई अपना मकान बंध कर परिवार के साथ बाहर गए थे । इसी दौरान 4 नवम्बर की दोपहर से 6 नवंम्बर की सुबह के दौरान अनजान चोर उचकको ने बंद फफ्लैट को निशाना बनाया था ।

क्रांति समय संवाददाता, सूरत। मार्गशीष कृष्ण पक्ष की चौथ पर मंगलवार को शहर के पाल रोड स्थित सिद्दीविनायक मंदिर में विशेष पूजन व अनुष्ठन का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

शांति एवं सौहाद्र के माहौल में चुनाव के लिए प्रशासन की पूरी तैयारी

सूरत। विधान सभा चुनाव के दौरान शहर में हत्या, लूट, डकैती जैसे गंभीर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए शहर पुलिस आयुक्त सतीष शर्मा ने शहर में पूरी चाक चौबंद व्यस्था की है। जिसके तहत शहर में सुरक्षा की दृष्टी से महत्वपूर्ण 187 को चिन्हित किया गया है। जहां पर शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इनमें से 112 ऐसी जगहें हैं जहां निर्धारित समय के लिए सुरक्षा कर्मियों को तैनात रखा जाएगा। इसके अलावा शहर के मुख्य प्रवेश द्वारों तथा बाहर जाने के रास्तों , मुख्य मार्गों के नाकों , रेलवे स्टेशन, बस स्टेशनों, प्रमुख बजारों, सैर सपाटों के स्थानों सहित 75 संवेदनशील तथा अति संवेदनशील जगहों पर राउंड द क्लाक 24 घंटे सातों दिन पुलिस कर्मीयों की मौजुदगी की व्यवस्था की गई है। नई व्यवस्था से संबंधित प्वाइंट्स पर संबंधित थानों के ही पुलिस कर्मियों को को तैनात किया जाएगा। जिससे इन स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। तथा शराब तस्करी समेत अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाई जा सके। इसके अलावा सभी महत्वपूर्ण प्वाइंट्स पर सीसीटीवी कैमरे से मानिटरिंग की जाएगी। चुनावी आचार सहिंता लागू होने के बाद शहर के विभिन्न स्थलों पर फलाइंग स्क्वार्ड तैनात रहेंगे जो वाहनों की चेकिंग करेंगे।

विदेशी शराब के साथ एक जने को चोक बाजार पुलिस ने दबोचा

सूरत। चौक बाजार पुलिस को सूचना मिलने पर रामपुरा के आदम की वादी में छापा मारकर शराब भरी कार के साथ एक जने को गिरफफ्तार किया है । पुलिस ने कार व शराब सहित 1 लाख 24 हजार का मुद्दामाल जब्त किया है ।

पुलिस के अनुसार स्टाफ के पुलिस कर्मियों को सूचना मिली थी कि एक शराब भरी कार रामपुरा के आदम की वादी में आने वाली है सूचना के चलते पुलिस ने दबिश देकर शराब भरी कार के साथ एक जने को गिरफ्तार किया । पुलिस ने युवकी पूछताछ करने पर अपना नाम रामपुरा निवासी मोहमद रिजवान उफ कन्ना मोहमद इब्राहिम शेख बताया है ।

आरक्षति सीटों पर कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकती हैं जदयू, बसपा और राकांपा

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा की 182 में से 40 सीटें आरक्षति हैं। इनमें आदिवासियों के लिए आरक्षति 27 सीटों पर पिछले चुनाव में कांग्रेस बढ़त कायम की थी, जबकि अनुसूचित जाति की सीटों पर भाजपा आगे रही थी। जातिगत आंदोलन की वजह से इस बार स्थिति बदली हुई दिखाई दे रही है। इस बार इन सीटों पर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकती हैं। उधर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाती रही है। प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के साथ-साथ अन्य छोटे व क्षेत्रीय दल भी हैं। मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच रहेगा, लेकिन करीब 15 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली जदयू आदिवासी इलाकों में और बसपा अनुसूचित जाति इलाकों में कांग्रेस के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। कांग्रेस से अलग होकर जनविकल्प मोर्चा बनाने वाले वरिष्ठ नेता शंकर सिंह वाघेला शहरी इलाकों में वोट कटवा साबित हो सकते हैं, इसका सीधा नुकसान कांग्रेस को होगा। दो दशक तक कांग्रेस में रहकर राजनीति करने वाले वाघेला उसकी कमियों और ताकत से अच्छी तरह वाकिफ हैं। वह असंतुष्ट कांग्रेसी नेताओं को एकजुट करने का काम कर सकते हैं। राज्य की अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षति 13 सीटों पर केवल तीन वडगाम, कड़ी व दाणीलीमडा पर ही कांग्रेस जीत दर्ज कर सकी थी, जबकि भाजपा वडोदरा, ईडर, गांधीधाम, बारदोली, असारवा सहित 10 सीटों पर काबिज है। भाजपा के पास दलित नेताओं के रूप में विधानसभा अध्यक्ष रमण वोरा, मंत्री आत्माराम पटेल, गणपत सिंह वसावा और जसवंत भाभौर आदि प्रमुख हैं।

जबकि, कांग्रेस के पास शैलेष परमार, डॉ। मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच रहेगा, लेकिन करीब 15 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली जदयू आदिवासी इलाकों में और बसपा अनुसूचित जाति इलाकों में कांग्रेस के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। अनिल जोशीयारा, अश्विन कोटवाल प्रमुख हैं। वहीं, नेता विपक्ष मोहन सिंह राठवा भी नौ बार के विधायक हैं। 27 आदिवासी सीटों में से एक पर जदयू के छोटू वसावा चुने गए थे, जबकि शेष 26 में से 16 पर कांग्रेस का कब्जा है।

बर्थ डे पार्टी मनाकर युवक दसवीं मंजिल से गिरा, मौत

वापी। यहां नामधा मं दोस्त की बर्थ डे पार्टी के बाद वह उसके घर ही रूक गया। रात में टॉयलेट जाने के लिए उसने हॉल की खिड़की खोली, दूसरी तरफ मौत उसका इंतजार कर रही थी। वह दसवीं मंजिल ने नीचे गिर पड़ा। जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना से उसके दोस्तों में मातम छा गया। घटना की सूचना मिलते ही वापी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वापी जीआईडीसी में रहने वाले 24 वर्षीय शकदेव शंभू मसकोले मूल रूप से मध्यप्रदेश का रहने वाला है।

अहमदाबाद-इंदौर हाइवे में गंभीर हादसा: 13 की घटनास्थल पर ही मौत

नडियाद। मध्यप्रदेश से गुजरात में मजदूरी कर वापस आते हुए लोगों की जीप कठलाल के बाजकपुरा गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सुबह हुए इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है।गुजरात से मजदूरी कर वापस मध्यप्रदेश आ रहे थे?

मध्यप्रदेश से मजदूरी करने गुजरात गए कई लोग वापस अलीराजपुर आ रहे थे। तभी सुबह अहमदाबाद-इंदौर हाइवे पर खड़े ट्रक में तूफानी गति से जीप घुस गई। ट्रक बिगड़ी हुई हालत में थी, अत: आसपास बेरिकेट्स लगा दिए गए थे। पर जीप चालक उसे अंधेरे में देख नहीं पाया और तूफानी गति से ट्रक के पीछे भाग में घुस गया। थोड़ी ही देर में पूरा इलाका चीखों से गूंज उठा। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

13 की घटनास्थल पर ही मौत जीप ट्रक के पीछे इतनी तेजी से घुसी कि घटनास्थल पर ही 13 लोगों की मौत हो गई। इसमें कई महिलाएं भी थी। घायलों का इलाज चल रहा है।

राहुल गांधी आज सूरत में, आरक्षण पर कर सकते हैं बड़ा ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस उपाध्यक्ष कल सूरत आ रहे हैं और इस दौरे वक्त वे पाटीदारों को आरक्षण देने के बारे में बड़ा ऐलान कर सकते हैं। आरक्षण के बारे में हार्दिक पटेल के अल्टीमेटम की मियाद का आज आखिरी दिन है। पास नेता हार्दिक पटेल ने पहले 3 नवंबर तक और बाद में 7 नवंबर तक पाटीदारों को आरक्षण देने के बारे में कांग्रेस को अपना रुख साफ करने का अल्टीमेटम दिया था। इस अल्टीमेटम के आखिरी

दिन आज ओबीसी मंच के नेता और हाल में कांग्रेस में शामिल हुए अल्पेश ठाकोर की नई दिल्ली में राहुल गांधी के साथ हुई बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राहुल गांधी 8 नवंबर को दक्षणि गुजरात के सूरत आ रहे हैं और इस दौरान वे पाटीदारों को आरक्षण के बारे में कोई बड़ा ऐलान कर सकते हैं। आज राहुल गांधी के साथ मुलाकात के बाद अल्पेश ठाकोर ने कहा कि अगड़ी जाति के गरीबों को आरक्षण देने के लिए संविधान में संशोधन करना जरूरी है और इसके लिए सर्वे कराया जाए। सर्वे की रिपोर्ट विधानसभा में पेशकर उसे पारित किया जाना चाहिए। जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा में अगड़ी जाति को आरक्षण के प्रस्ताव को पारित कर मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के समक्ष पेश किया जाना चाहिए।

विधानसभा चुनाव के लिए शुरू करेगी डोर टू डोर अभियान

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के बाद अब कांग्रेस भी जल्द ही डोर टू डोर अभियान शुरू करेगी। इसका प्रारंभ कांग्रेस आगामी 14 नवंबर से करेगी। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी 11 नवंबर से उत्तर गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं। सौराष्ट्र, दक्षणि गुजरात और मध्य गुजरात के बाद राहुल गांधी की यात्रा का उत्तरी गुजरात अंतिम चरण है। 13 नवंबर को राहुल गांधी की अंतिम चरण की यात्रा पूर्ण हो जाएगी और उसके दूसरे दिन यानि 14 नवंबर से कांग्रेस डोर टू डोर अभियान शुरू करेगी। यह अभियान गुजरात के 182 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में शुरू किया जाएगा। जिसका मुख्य उद्देश्य 1 करोड़ लोगों तक पहुंचना है। गौरतलब है गुजरात विधानसभा चुनाव में 150+ सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ भाजपा ने आज से गुजरात गौरव महासंपर्क अभियान प्रारंभ कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने आज अपने पुराने निर्वाचन क्षेत्र नारणपुरा से हजारों कार्यकर्ताओं की उपस्थित में अभियान का प्रारंभ करवाया।

भाजपा के समर्थन में खुलकर आया स्वामीनारायण मंदिर

अहमदाबाद। खेडा जिला के वडताल स्थित स्वामीनारायण मंदिर ने भाजपा को समर्थन का ऐलान करते हुए अपने श्रद्धालुओं से नरेन्द्र मोदी को वोट देने की अपील की है। गौरतलब है कि गत शनिवार को पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत भाजपा के अन्य नेतागण वडताल मंदिर गए थे। जहां मंदिर के मुख्य पुजारी ने कहा था कि वडताल संस्था हमेशा राज्य के भाजपा सरकार की ऋणी रहेगी। इस कार्यक्रम में राज्यभर से 1700 पुजारियों ने भाग लिया था। वडताल स्वामीनारायण मंदिर के प्रमुख आचार्य राकेशप्रसाद दास और मुख्य कोठारी महाराज घनश्यामप्रसाद दास ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि राज्य में भाजपा सरकार बरकरार रखने के लिए फिर एक बार भाजपा के पक्ष में मतदान करें। राकेशप्रसाद दास के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए घनश्याम दास ने कहा कि स्वामी ने हमें इतिहास और वडताल संस्था के कार्यो समेत बीते वर्षों में सरकार से मिली मदद से अवगत कराया था। संस्था के हमेशा भाजपा सरकार की ऋणी रहने के मतलब साफ है अब हमे ऋण उतारना है। अभी तो मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को साफा बांधा है, जिससे ऋण नहीं उतरेगा। घनश्याम दास ने टीवी और इंटरनेट के माध्यम से श्रद्धालुओं से अपील की कि वे भाजपा को वोट दें। लोगों के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें प्रेम करनेवाला, विजन के साथ काम करनेवाला और एक स्वच्छ छवि वाला व्यक्ति उनका राजा है और वह नरेन्द्र मोदी है। घनश्याम दास ने कहा कि वे कभी भी अपने लिए ईश्वर से प्रार्थना नहीं करते।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com